मल्लादि सूरिबाबु
अकादेमी पुरस्कारः कर्नाटक गायन संगीत

MALLADI SURIBABU
Akademi Award: Carnatic Vocal Music

Born on 1 May 1945 at Dubacherla in Andhra Pradesh, Shri Malladi Suribabu received his initial training in music from his father Shri Malladi Sri Rama Murthy and later received advanced training under the tutelage of Shri Voleti Venkateswarlu and Shri Sripada Pinakapani.

A top grade artist of All India Radio in light music and belonging to Pinakapani's Bani of Carnatic Music, Shri Malladi Suribabu has performed in many prestigious music festivals in India and abroad. He has conducted many workshops on Carnatic music. Besides, he has also published many books on music such as *Notations of Bhadrachala Ramadasu Keertanas* and *Notations of Tarangams of Narayana Theertha*. Shri Suribabu has worked as a programme announcer in All India Radio, Vijayawada and has presented special programmes on Vividh Bharati based on traditional Carnatic music, titled *Raga Ragini*. He has many recordings to his credit.

Shri Malladi Suribabu has received many titles and awards including the Kalaratna conferred by the Government of Andhra Pradesh (2013); the T.T.K. Award bestowed by the Madras Music Academy (2014); and the Sangeetha Vidyanidhi given by the Andhra Music Academy (2018).

Shri Malladi Suri Babu receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for his contribution to Carnatic vocal music.

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

आंध्र प्रदेश के दुबचेरला में 1 मई 1945 को जन्मे, श्री मल्लादि सूरिबाबु ने संगीत में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण अपने पिता श्री मल्लादि श्री राममूर्ति से प्राप्त किया और बाद में श्री वोलेटी वेंकटेश्वरलु और श्री श्रीपद पिनाकपाणि के संरक्षण में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त किया।

आकाशवाणी में सुगम संगीत के शीर्ष स्तरीय कलाकार और कर्नाटक संगीत के पिनाकपाणि की बानी से सम्बद्ध श्री मल्लादि सूरिबाबु ने भारत और विदेशों में आयोजित कई प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी है। आपने कर्नाटक संगीत पर कई कार्यशालाएँ आयोजित की हैं। इसके अतिरिक्त, आपने संगीत पर कई पुस्तकों, यथा भद्राचल रामदासु कीर्तन के नोटेशन और नारायण तीर्थ के तरंगम के नोटेशन की रचना की है। श्री सूरिबाबु ने आकाशवाणी के विजयवाड़ा केन्द्र में कार्यक्रम उद्घोषक के रूप में भी काम किया है और विविध भारती के लिए पारम्परिक कर्नाटक संगीत पर आधारित विशेष कार्यक्रम राग रागिनी के आप प्रस्तोता रहे हैं। आपके गायन संगीत की कई रिकॉर्डिंग उपलब्ध हैं।

श्री मल्लादि सूरिबाबु को आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त कलारत्न (2013) सहित कई उपाधियों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिनमें मद्रास संगीत अकादमी द्वारा प्रदान किया गया टी. टी. के. पुरस्कार (2014); और आंध्र संगीत अकादमी द्वारा दी गई संगीत विद्यानिधि (2018) की उपाधि प्रमुख हैं।

कर्नाटक गायन संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए श्री मल्लादि सूरिबाबु को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018